Release of Gopal Vinayak Godse

1167. **Shri Bhagwat Jha Azad:** Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether Gopal Vinayak Godse who was sentenced to imprisonment for life in Mahatma Gandhi murder case has been released; and

(b) if so, when?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi): (a) and (b). Yes, Sir, Gopal Vinayak Godse was released from jail on the 13th October, 1964.

Delhi Administration

1168. **Shri Surendra Pal Singh:**
Shri Naval Prabhakar:
Shri Ram Sewak Yadav:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to divide the Union Territory of Delhi into three sub-units;

(b) if so, the broad outlines of the proposal; and

(c) when this is likely to be implemented?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri L. N. Mishra): (a) Yes.

(b) The proposal is to divide Delhi into three sub-units under the charge of three Additional District Magistrates. These Additional District Magistrates will work under overall charge of a District Magistrate who will be responsible for the whole of Delhi and on whom will devolve the responsibility for maintaining law and order in the entire territory of Delhi.

(c) The details of the proposal are also being worked out and so no definite date can be given.

भारतीय जनगणना में गोवानी राष्ट्रजनों को सम्मिलित करना

1169. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री गुलशन :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गोआ, दमन और दीव की 6 लाख की जनसंख्या में से करीब एक हजार लोगों ने अपनी राष्ट्रीयता वही दर्ज करायी है जो 21 दिसम्बर, 1961 से पहले जब कि वह क्षेत्र आजाद हुआ था उनकी थी ; और

(ख) यदि हां, तो इन एक हजार गोवा वासियों को भारतीय जनगणना में न लेने का क्या कारण है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) और (ख). गोवा, दमन और दीव की जनगणना इस राज्य-क्षेत्र के भारतीय संघ में मिलने से पहले दिसम्बर, 1960 में की गई थी । इसलिये उस गणना में राष्ट्रीयता का विवरण उस समय उस राज्य क्षेत्र के राजनैतिक ढांचे के अनुसार था । 21 दिसम्बर, 1961 को इसकी मुक्ति के पश्चात्, इस राज्य क्षेत्र की कोई गणना नहीं की गई, क्योंकि भारतीय जनगणना जो 1 मार्च, 1961 से सम्बन्धित थी, पूर्ण हो चुकी थी । पुर्तगाल के अधिकारियों द्वारा की गई जनगणना के दौरान में एकत्रित आंकड़े भारतीय जनगणना के आंकड़ों में मिलाये गये । इसलिये गणना में किसी श्रेणी के व्यक्तियों को शामिल करने अथवा उस में से छोड़ देने का प्रश्न ही नहीं उठता ।